Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय - 8 | नए मेहमान (उदयशंकर भट्ट)

QUIZ PART-08

1. **आगंतुकों ने किश्वनाथ के बच्चों को "सीधे लड़के" किस संदर्भ में कहा?**
   A. अनुत्तरदायित्व की वजह से
   B. किसी प्रकार के प्रश्न पूछने की वजह से
   C. आज्ञाकारिता की वजह से
   D. गरमी को चुपचाप सहने की वजह से (D)

व्याख्या : आगंतुकों ने किश्वनाथ के बच्चों को "सीधे लड़के" गरमी को चुपचाप सहने के कारण कहा था.

2. **"एक ये पड़ोसी हैं, निडर..." किश्वनाथ ने अपने पड़ोसी को निडर क्यों कहा?**
   A. उन्हें कष्ट में देखकर प्रसन्न होते हैं
   B. पड़ोसी किसी प्रकार का सहयोग नहीं करते
   C. लड़ाई-झगड़े के मौके ढूँढ़ते हैं
   D. अनुत्तरदायित्व का अपमान करते हैं (A)

व्याख्या : किश्वनाथ ने अपने पड़ोसी को निडर इसलिए कहा क्योंकि वे दूसरों के कष्टों को देखकर प्रसन्न होते हैं.

3. **रेवती "ईश्वर करें इन दिनों कोई मेहमान न आए" ऐसा क्यों कह रही है?**
   A. मेहमानों के ठहरने की उलझन भरी व्यवस्था के कारण
   B. रेवती का स्वास्थ्य कुछ समय से ठीक नहीं होने के कारण
   C. अनुत्तरदायित्व के आने से घर का काम बढ़ जाने के कारण
   D. उसे अनुत्तरदायित्व का आना-जाना पसंद नहीं होने के कारण (C)

व्याख्या : रेवती यह कह रही है क्योंकि अनुत्तरदायित्व के आने से घर का काम बढ़ जाता है.

4. **"हे भगवान! कोई मुसीबत न आ जाए" रेवती यह किस प्रकार की मुसीबत न आने के लिए कहती है?**
   A. पानी की कमी होने की
   B. पड़ोसियों के लड़ाई-झगड़े की
   C. मेहमानों के आने की
   D. गरमी के कारण बीमारी की (C)

व्याख्या : रेवती यह कहती है कि मेहमानों के आने से कोई मुसीबत न आ जाए.

5. **इस एकांकी के आधार पर बताएँ कि मुख्य रूप से किस बात को रचना को समेटने का रूप देती है?**
   A. संवाद
   B. कथा
   C. मनोविनोद
   D. मंचीयता (A)

व्याख्या : इस एकांकी में संवाद ही वह मुख्य बात है जो रचना को समेटने का रूप देती है..

6. **"पानी पीते-पीते पेट फूला जा रहा है, और प्यास है कि बुझने का नाम नहीं लेती" इस पंक्ति का क्या अर्थ है?**
   A. यह व्यक्ति की संतोषहीनता और निराशा को व्यक्त करती है।
   B. यह उस व्यक्ति के असंतोष को व्यक्त करती है जो बहुत अधिक खाता है।
   C. यह एक व्यक्ति के संघर्ष और थकावट को व्यक्त करती है।
   D. यह उस व्यक्ति के स्वास्थ्य की खराबी को व्यक्त करती है। (A)

व्याख्या : यह पंक्ति उस व्यक्ति की संतोषहीनता और निराशा को व्यक्त करती है, क्योंकि उसकी इच्छाएँ कभी पूरी नहीं होती.

7. **"सारे शहर में जैसे आग बरस रही हो" इस पंक्ति का क्या अर्थ है?**
   A. यह गर्मी की तीव्रता और स्थितियों को व्यक्त करती है।
   B. यह आदमी की कठिनाइयों और उनके संघर्ष को व्यक्त करती है।
   C. यह एक खुशी और उत्साह को व्यक्त करती है।
   D. यह मौसम के बदलने को व्यक्त करती है। (A)

व्याख्या : यह पंक्ति गर्मी की तीव्रता और कठिन परिस्थितियों को व्यक्त करती है, जो लोगों के जीवन को मुश्किल बना देती है.

8. **"यह तो हमारा ही भाग्य है कि जैसे चिड़ीया की तरह भाड़ में भटके रहते हैं" इस पंक्ति का क्या अर्थ है?**
   A. यह मुँहफट और निराश व्यक्ति की स्थिति को दर्शाती है।
   B. यह किसी व्यक्ति के संघर्ष को दर्शाती है, जो हर कठिनाई का सामना करता है।
   C. यह अपने भाग्य के प्रति संतोष और समझदारी को दर्शाती है।
   D. यह किसी व्यक्ति के खुश रहने के बारे में है। (B)

व्याख्या : यह पंक्ति संघर्ष करने वाले व्यक्ति की स्थिति को दर्शाती है, जो लगातार कठिनाइयों का सामना करता है और फिर भी उसे सहना पड़ता है.

9. **"आह, अब जान में जान आई। सचमुच गरमी में पानी ही तो जान है" इस पंक्ति का क्या अर्थ है?**
   A. यह जीवन के महत्व को दर्शाती है।
   B. यह पानी की आवश्यकता को दर्शाती है।
   C. यह व्यक्ति के संतोष और राहत को दर्शाती है।
   D. यह किसी व्यक्ति के शरीर के स्वस्थ होने को दर्शाती है। (C)

व्याख्या : यह पंक्ति व्यक्ति की राहत और संतोष को दर्शाती है, क्योंकि पानी की पीने से उसे राहत मिलती है.

10. **"सारे शहर में जैसे आग बरस रही हो" यह पंक्ति किस स्थिति को व्यक्त करती है?**
    A. यह गर्मी की तीव्रता और कठिन स्थितियों को व्यक्त करती है।
    B. यह किसी जलते हुए शहर की परिस्थिति को दर्शाती है।
    C. यह मौसम के बदलाव को व्यक्त करती है।
    D. यह उत्साह और खुशी को व्यक्त करती है। (A)

व्याख्या : यह पंक्ति गर्मी और कठिन परिस्थितियों को व्यक्त करती है, जो लोगों के जीवन को कठिन बना देती है.

शिक्षा जहाँ चाह, वहाँ राह
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App